रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ़ इंडिया लिमिटेड (भारत सरकार का उपक्रम)
RailTel Corporation of India Ltd. (A government of India Enterprise)
www.railtelindia.com

दिनांक-19.01. 2022

प्रेस विज्ञप्ति

रेलटेल की सीएसआर परियोजना के अंतर्गत संचालित "आकांक्षा सुपर 30", जो उत्तराखंड के वंचित छात्रों के लिए है, ने वर्ष 2016-2021 के दौरान उल्लेखनीय 94% समग्र सफल परिणाम दिए हैं।

इस परियोजना ने इस अवधि के दौरान आईआईटी और विभिन्न अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों से इंजीनियरिंग करने वाले 167 छात्रों के जीवन में परिवर्तन ला दिया है।

पिछले सत्र 2020-21 में, परिणाम बहुत अच्छे रहे हैं और 30 में से 28 छात्रों ने जेईई परीक्षा पास की है

इंजीनियरिंग स्नातक की पढ़ायी पूरी करने के बाद छात्रों को एलएंडटी, टीसीएस, आईबीएम जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिला है

रेलटेल ऐसी सीएसआर पहलों के माध्यम से समाज के प्रति अपने दायित्वों को पूरा करने के लिए ईमानदारी से प्रयासों के प्रति समर्पित है: श्री पुनीत चावला, सीएमडी, रेलटेल

एक यथार्थ और सफल सामाजिक सेवा पहल में, मिनीरत्न, रेल मंत्रालय के अंतर्गत केंद्र सरकार की पीएसयू "रेलटेल कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया" उत्तराखंड राज्य के वंचित छात्रों के लाभ के लिए देहरादून में "रेलटेल-आकांशा सुपर 30" परियोजना को क्रियान्वित कर रही है। यह रेलटेल द्वारा आरंभ की गयी कॉर्पोरेशन सामाजिक उत्तरदायित्व (CSR) गतिविधियों में से एक है। 2016 में इस परियोजना के आरंभ किए जाने से 2021 तक, इस परियोजना की समग्र सफलता दर 94% रही है जो एक उत्कृष्ट उपलब्धि है। इस अवधि के दौरान, इस परियोजना ने आईआईटी और विभिन्न अन्य प्रतिष्ठित इंजीनियरिंग कॉलेजों से इंजीनियरिंग कर रहे 167 छात्रों के जीवन में परिवर्तन ला दिया है। वर्तमान 2021-22 का सत्र इस परियोजना का सातवां बैच है। पिछले 2020-21के सत्र में, परिणाम बहुत अच्छे रहे हैं और 30 में से 28 छात्रों ने जेईई परीक्षा उत्तीर्ण की है। इंजीनियरिंग स्नातक की पढ़ायी पूरी करने के बाद, कई छात्रों को एलएंडटी, टीसीएस, आईबीएम, आदि जैसी प्रतिष्ठित कंपनियों में प्लेसमेंट मिली है।

"आकांक्षा सुपर 30" परियोजना का उद्देश्य, वंचित लेकिन प्रतिभाशाली छात्रों को आवासीय कोचिंग, बोर्डिंग और लॉजिंग सुविधा मुहैया कराकर उनकी शैक्षणिक उत्कृष्टता को मजबूत करके उन्हें आईआईटी / जेईई, जो इच्छुक इंजीनियरों के लिए सबसे प्रतिष्ठित परीक्षा है, के लिए तैयार करके उनके जीवन में परिवर्तन लाना है।

इस योजना के अंतर्गत, वंचित छात्रों को लिखित परीक्षा और साक्षात्कार की निष्पक्ष और परिश्रमी प्रक्रिया के माध्यम से उत्तराखंड के विभिन्न जिलों के स्कूलों से चुना जाता है। छात्रों का चयन परीक्षा में अंकों, उनकी वित्तीय स्थिति और सरकार के मानदंडों के अनुपालन के आधार पर किया जाता है। । चयनित 30 छात्रों को देहरादून, उत्तराखंड में एक आवासीय परिसर में रखा जाता है और उन्हें निशुल्क रहने का आवास, भोजन, चिकित्सा देखभाल, कोचिंग, मार्गदर्शन आदि उपलब्ध कराए जाते हैं। आवासीय परिसर को संकायों, कर्मचारियों और छात्रों के बीच संयुक्त रुप से एक दूसरे का आदर सत्कार करने, अधिकतम सहयोग, स्वस्थ प्रतिस्पर्धा और टीम के रुप में कार्य करने के ढ़ंग से डिज़ाइन किया गया है। । कार्यक्रम की अवधि आम तौर पर 11 महीने या इंजीनियरिंग प्रवेश के लिए अंतिम परीक्षा आयोजित होने तक होती है।

परियोजना की विशिष्ट विशेषताओं में स्मार्ट क्लासरूम, पर्सनलाइज्ड कंप्यूटर लैब, अत्यधिक अनुभवी फैकल्टी सदस्य, विशेष रूप से डिजाइन की गयी पैटर्न प्रूफ अध्ययन सामग्री, आवधिक परीक्षण, विशेष रुप से डिजाइन किए गए शैक्षणिक मॉड्यूल, अकादमी के अधिकारी द्वारा प्रत्येक छात्र पर व्यक्तिगत रुप से नज़र रखना, लड़कियों के लिए निर्भय और सुरक्षित प्रवास शामिल हैं। .

रेलटेल इस परियोजना को दिल्ली स्थित एनजीओ "सेंटर फॉर सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी एंड लीडरशिप (CSRL)" के सहयोग से क्रियान्वित कर रही है।

इस बारे में बात करते हुए, श्री पुनीत चावला, सीएमडी /रेलटेल के ने कहा, "रेलटेल सीएसआर पहलों के माध्यम से समाज के प्रति अपने उत्तरदायित्वों को निर्वहन के लिए निष्ठापूर्वक प्रयास करने के लिए प्रतिबद्ध है।" ये उपाय बड़े पैमाने पर समुदाय के साथ भरोसेमंद और टिकाऊ संबंध बनाने में मदद करते हैं। हमने सीएसआर को अपनी कॉर्पोरेट रणनीति का एक अभिन्न अंग बनाया है और इसे व्यवस्थित ढ़ंग से क्रियान्वित किया है। सुपर 30 परियोजना के अलावा, कंपनी देश में विभिन्न स्थानों पर मासिक धर्म स्वास्थ्य प्रबंधन, कौशल विकास केंद्र, मिनी साइंस सेंटर(MSC's), डिजिटल लर्निंग सेंटर (DLC) आदि जैसी अन्य सीएसआर पहलें भी कर रही है।

अधिक जानकारी के लिए संपर्क करें-

sucharita@railtelindia.com